एकात्म भारत संस्थान
के लिए सुचेंद्र मिश्रा द्वारा

एकात्म भारत

भाद्रपद, कृष्ण पक्ष प्रथमा
रविवार विक्रम संवत् 2076

जो एकात्म है वही भारत है

@EkatmaBharat
दैनिक एकात्म भारत

15 सितंबर 2019, इंदौर
e-paper : www.ekatmabharat.com

हम जब चाहें तब शुरू कर सकते हैं राम मंदिर का निर्माण

अयोध्या में बोले डॉ. सुब्रमण्यन स्वामी

अयोध्या

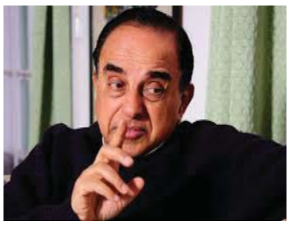

बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सदस्य सुब्रमण्यन स्वामी का कहना है कि हम जब चाहें अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शुरू कर सकते हैं। विवाद तो केवल 0.3 एकड़ जमीन का है, बाकी 67.4 एकड़ का क्षेत्र अविवादित है, जिस पर मंदिर का निर्माण किया जा सकता है। सवामी अपना जन्मदिन मनाने शनिवार को धार्मिक नगरी अयोध्या आए थे।

स्वामी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हाराव ने भी सर्वोच्च न्यायालय में कहा था कि विवादित स्थान पर मंदिर ही था। डॉ. स्वामी ने कहा कि इस अविवादित क्षेत्र को केंद्र सरकार के कब्जे में ले लिया गया है। ऐसे में जहां रामलला विराजमान हैं, वहीं बीच के गुंबद का क्षेत्र विवादित है। केंद्र सरकार गैर विवादित जमीन को मंदिर के निर्माण के लिए न्यास को सौंप कर मंदिर का निर्माण शुरू करवा सकती है पर हम कोर्ट का सम्मान करने के साथ ही इसके फैसले पर पूरा भरोसा करते है। इसलिए कोर्ट के निर्णय का प्रतीक्षा की जा रही है।स्वामी ने मंदिर-मस्जिद विवाद के कानूनी पक्ष पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा, 'सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने वहां मस्जिद की आस्था नहीं जताई है और न ही मंदिर निर्माण का दावा किया है। वह जमीन पर प्रबंधकीय हक की लड़ाई लड़ रही है। उसके पास आस्था को लेकर कोई जवाब नही है। मेरी याचिका का विषय सबसे अलग है, जिस पर अक्टूबर में सुनवाई शुरू होगी। मैने पूजा के हक और आस्था को लेकर याचिका दायर की है। करोड़ों हिंदुओं की आस्था रामलला के जन्म स्थान को लेकर है, उस पर कोर्ट को निर्णय करने का अधिकार नहीं है।'

बीजेपी सांसद ने कहा कि मुस्लिम समाज के लोगों की सोच अब बदल रही है। वे शांति के साथ भाईचारे के माहौल में रहना चाहते है। यही कारण है कि मंदिर-मस्जिद का विवाद खत्म हो, इसके लिए वे राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में आ रहे हैं। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के पक्षकारों ने साफ तौर पर मंदिर के लिए विवादित जमीन देने को कहा है।

स्वामी शनिवार को अयोध्या में रुकेंगे। रविवार को रामलला के दर्शन के साथ मंदिर में पूजन अर्चन करेंगे। साथ ही कारसेवकपुरम में उनका जन्मदिवस मनाया जाएगा। डॉ. स्वामी ने चिदमबरम का उल्लेख करते हुए कहा कि अभी और भी कांग्रेस नेता जेल जाएंगे।

अब हिन्दी विरोध की आड़ में मोदी विरोध का षड्यंत्र

विश्व हिन्दी दिवस पर पूरी शक्ति के साथ सोशल मीडिया पर हिन्दी विरोध किया गया। #StopHindiImposition और #StopHindiImperialism ट्रेंड कराए गए और एक समय तो ये #हिन्दी_दिवस से ज्यादा ट्रेंड कर रहे थे।

सुचेंद्र मिश्रा. इंदौर

हिंदी दिवस के दिन राष्ट्रद्रोहियों का एक और दुष्चक्र सामने आया है। देश में चल रही राष्ट्रवाद की लहर सत्ता गंवाने से पीड़ित वामी और कांगी मानसिकता के लोग किसी भी स्तर तक गिरने को तैयार हैं। जब देश 66 वां हिंदी दिवस मना रहा था उस समय सोशल मीडिया पर भाषा के नाम से देश का विभाजित करने का षडयंत्र रचा जा रहा था। जब इस फैसले के पीछे छिपे लोगों को आप देखेंगे तो पाएंगे कि यह वही लोग हैं जो कि 2014 में सत्ता गंवाने के बाद जिन्हें अचानक असहिष्णुता दिखाई देने लगी थी। या फिर रोहित वेमुला के मामले को जिन्होंने राजनीतिक अवसर समझा था।

जब हम #StopHindiImposition और #StopHindiImperialis हैश टैग को देखेंगे तो पाएंगे कि इस मुद्दे पर ट्वीट करने वाले अधिकांश लोग एक विशेष प्रकृति के हैं। इनमें से कई के परिचय में कांग्रेस कार्यकर्ता होने की बात का भी उल्लेख है।जिस तरह से ये हिन्दी हैशटैग ट्रेंड कराए गए हैं वे इस बात का संकेत देते हैं कि इस बार एक बार फिर से भाषा के मुद्दे पर देश में अशांति का वातावरण बनाने की तैयारी की जा रही है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के समय भी वहां पर दुकानों से हिंदी के बोर्ड हटाने का प्रयास किया गया था। तमिलनाडू में कुछ समय बाद फिर से चुनाव हैं। तथा सत्ता से बाहर चल रही द्रमुक का वामपंथी दलों और कांग्रेस के साथ गठबंधन हैं, ऐसे में ये हैश टैग इन चुनाव में भाषा का मुद्दा उठाने की तैयारी भी हो सकता है।

हाल ये था कि शनिवार रात नौ बजे तक #StopHindiImposition के हैशटैग के साथ 90 हजार से ज्यादा ट्वीट किए जा चुके थे। इसी तरह से #StopHindiImperialism के हैशटैग के साथ 60 हजार से ज्यादा ट्वीट किए जा चुके थे। इस तरह उस समय ये दोनों हैश टैग भारत में पहले और तीसरे स्थान पर ट्रेंड कर रहे थे। हालांकि दिन में #हिन्दी_दिवस पहले स्थान पर था। लेकिन शाम के घंटों में यह पीछे हो गया था।

ट्विटर पर किसी हैश टैग को इतने बड़े पैमाने पर ट्रेंड कराना सरल नहीं होता है। इसके लिए बहुत तैयारी लगती है। सरकार को इस मामले की जांच करानी चाहिए।

डीएस बालाजी , सोशल मीडिया मैनेजर

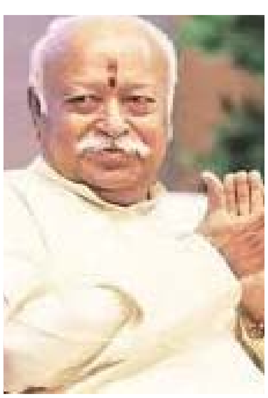

पहली बार सर संघचालक विदेशी मीडिया से बातचीत करेंगे

एकात्म भारत. नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं इसकी विचारधारा के बारे में मीडिया में चलने वाली 'गलत धारणाओं' को दूर तथा 'गलत धारणा को स्पष्ट करने' के लिए पहली बार सर संघचालक मोहन भागवत इस महीने विदेशी मीडिया से बातचीत करेंगे। संघ ने पहलीबार इस तरह की योजना बनाई है।

संघ सूत्रों के अनुसार इस 'ब्रीफिंग' का उद्देश्य विभिन्न मुद्दों पर संघ के दृष्टिकोण को रखने के साथ ही संगठन को लेकर वर्षों से विकसित हुए 'गलत विमर्श' को भी दूर करना है। बताया गया है कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संघ और उसकी विचारधारा के बारे में गलत धारणाओं को दूर करना है।' यह सर संघचालक द्वारा एक अनौपचारिक बैठक होगी जिसके प्रकाशन या प्रसारण की अनुमति नहीं होगी।' बताया गया है कि यह संघ द्वारा विदेशी मीडिया के साथ अपनी तरह का पहला संवाद होगा। बैठक की शुरुआत में मोहन भागवत का उद्घाटन भाषण होगा और इसके बाद उनके साथ प्रश्न उत्तर का सत्र होगा। संघ का प्रचार विभाग इस बैठक के लिए समन्वय कर रहा है और इसका आयोजन यहां आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में किया जाएगा। संभावना है कि यह आयोजन सितंबर माह के अंत में होगा। अभी तक यह निश्चित नहीं है कि इस कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए 70 संस्थानों के पत्रकारों में से कितने इस आयोजन में भाग लेंगे। लेकिन पहली बार इस तरह का आयोजन होने के चलते माना जा रहा है कि इनमें से अधिकांश इस आयोजन में उपस्थित रहेंगे।

ऐसा और इसलिए

- पाकिस्तान को छोड़कर अन्य देशों के 70 मीडिया संगठनों को इसके लिए निमंत्रण भेजा गया है।
- यह आयोजन इस महीने के अंत में हो सकता है संघ प्रमुख मोहन भागवत भाषण के बाद प्रश्नों का उत्तर भी देंगे।
- जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान संघ की आलोचना कर रहे हैं।